बजट अनुमान 2003-2004

वर्ष 2003–2004 के बजट अनुमानों में वर्ष 2002–2003 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 34,782 करोड़ रुपए की वृद्धि दिखाई देती है, आयोजना-भिन्न व्यय में वृद्धि 27,897 करोड़ रुपए है जबकि आयोजना के अधीन 6,885 करोड़ रुपए है जिसमें से 2,952 करोड़ रुपए राज्य और संघ राज्य क्षेत्र आयोजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता और 3,933 करोड़ रुपए केंद्रीय आयोजनाओं पर व्यय के लिए है। आयोजना-भिन्न अनुमानों में मुख्य मदों की घट-बढ़ को नीचे सारणी में दिया गया है:-

(करोड़ रुपए)

	संशोधित 2002-03	बजट 2003-04	घट-बढ़
आयोजना-भिन्न			
1. ब्याज संदाय	115663	123223	(+) 7560
2. रक्षा	56000	65300	(+) 9300
3. खाद्य सब्सिडी	24200	27800	(+) 3600
4. उर्वरक सब्सिडी	11009	12720	(+) 1711
5. पेट्रोलियम सब्सिडी	6265	8116	(+) 1851
6. राज्य सरकारों को अनुदान	14336	17682	(+) 3346
7. डाक घाटा	1431	1287	(-) 144
8. पेंशन	14231	15466	(+) 1235
9. अन्य आयोजना-भिन्न व्यय	46789	46227	(-) 562
जोड़ (आयोजना-भिन्न) व्यय	**289924**	**317821**	**(+) 27897**

1. यह वृद्धि सरकारी व्यय के वित्तपोषण के लिए ऋण संसाधनों पर बनी हुई निर्भरता के कारण है। वृद्धिकारी व्यय की आवश्यकता मुख्यतः वर्ष 2002-2003 के दौरान राजकोषीय घाटे की ब्याज देयताओं को पूरा करने के लिए है।

2. बढ़ी हुई यह व्यवस्था रक्षा बलों के वेतन और भत्तों तथा आधुनिकीकरण पर वर्धित व्यय को पूरा करने के लिए है।

3. भारतीय खाद्य निगम के स्टाक की उच्च ढुलाई लागत के कारण है।

4. यह वृद्धि यूरिया तथा नियंत्रण-मुक्त उर्वरकों की आवश्यकता में प्रत्याशित बढ़ोतरी के कारण है।

5. यह वृद्धि मुख्यतः घरेलू एलपीजी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के किरोसीन के लिए सब्सिडी हेतु बढ़ाए गए प्रावधान के कारण है।

6. यह वृद्धि ग्यारहवें वित्त आयोग की राज्यों को आयोजना-भिन्न अनुदानों की सिफारिशों के आधार पर है।

7. यह कमी डाक विभाग के कार्यचालन व्यय में प्रत्याशित कमी के कारण है।

8. यह वृद्धि मुख्यतः महंगाई राहत और प्रत्याशित सेवानिवृत्तियों के कारण है।